दिल के कलम से कागज़ पर

अर्चना कुलकर्णी

16LEAVES

दिल के कलम से कागज़ पर

दिल के कलम से कागज़ पर

अर्चना कुलकर्णी

16LEAVES

पहला संस्करण, 2023

© अर्चना कुलकर्णी, 2023
archanar1955@gmail.com

इस प्रकाशन का कोई भी भाग लेखक की पूर्व अनुमति के बिना (संक्षिप्त उद्धरण के मामले को छोड़कर) पुनः प्रस्तुत, फ़ोटोकॉपी सहित किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से वितरित, या प्रसारित, रिकॉर्डिंग, या अन्य इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक़ तरीके से नहीं किया जा सकता है। आलोचनात्मक समीक्षाओं और कुछ अन्य गैर वाणिज्यिक प्रयगों की कॉपीराइट कानून द्वारा अनुमति है। अनुमति के अनुरोध के लिए प्रकाशक को नीचे दिए गए पते पर लिखें।

यह पुस्तक भारत से केवल प्रकाशकों या अधिकृत आपूर्तिकर्ता द्वारा निर्यात की जा सकती है। यदि इस शर्त का उल्लंघन हुआ तो वह सिविल और आपराधिक अभियोजन के अंतर्गत आएगा ।

पेपरबैक आई एस बी एन: 978-81-19316-26-7
ईबुक आई एस बी एन: 978-81-19316-29-8
वेबपीडीएफ आई एस बी एन: 978-81-19316-27-4

नोट: पुस्तक का संपादन और मुद्रण करते समय उचित सावधानी बरती गई है। अनजाने में हुई गलती की ज़िम्मेदारी न लेखक और न ही प्रकाशक की होगी।

पुस्तक के उपयोग से होने वाली किसी भी प्रत्यक्ष परिणामी या आकस्मिक नुकसान के लिए प्रकाशक उत्तरदायी नहीं होंगे। बाध्यकारी त्रुटि, ग़लत प्रिंट, गुम पृष्ठ, आदि की सम्पूर्ण ज़िम्मेदारी प्रकाशक की होगी। ख़रीद की एक महीने के भीतर ही पुस्तक का (वही संस्करण/ पुनः मुद्रण) प्रतिस्थापन हो सकेगा।

भारत में मुद्रित और बाध्य
16Leaves
2/579, सिंगरवेलन स्ट्रीट
चिन्ना नीलांकारई
चेन्नई - 600 041
भारत

info@16leaves.com
www.16Leaves.com
कॉल करें: 91-9940638999

CONTENTS

1.	गणपति की आरती	1
2.	साईबाबा की आरती	2
3.	हिप हॉप गीत	4
4.	चुलबुला गीत	8
5.	गजल अरमानभरी	10
6.	हजारों रंजीशे दिलमे	12
7.	जिंदगी	14
8.	शेतकरी गीत	15
9.	चांदणं टिपूर,मोहरले मन	17
10.	धर्म धर्म खेळणं आता बास करूया	19
11.	बेफिकिरी मे जो हम बेहेक जाए	21
12.	वतन हमारी खुद्दारी है	23
13.	रिश्ते ये रिश्ते ये रिश्ते संभालो	26
14.	रैप नौ जवानोंका	28
15.	मेरा भी सिक्सटी एज मे रैप	30
16.	विठ्ठलाची आळवणी	32
17.	महिला दिन	33
18.	गोंधळ देवीचा	35
19.	भावगीत	36
20.	लड़की का कत्ल	38

21. हिन्दी शेर 40
22. हिन्दी शेर २ 45
23. उरतील नुसत्या आठवणी 46
24. कृष्ण का मतलब 48
25. ओव्या 51
26. चलो समझदारी से समान होते है। 53
27. समस्त वडिलांच्या मनातले भाव लिहिण्याचा प्रयत्न केला आहे 55
28. बच्चोंके सवाल 57
29. अवेळी मेघ दाटून आले 60
30. लावणी 62
31. कोली गीत 64
32. बायको ही शेवटी बायकोच असते 66

दिल के कलम से कागज़ पर

1.

गणपति की आरती

मी येतो तुमच्याकडे तयारी जोरात चाललीये ना
आरास बिरास धूप दीप चमकुन चकाकुन तयार ना
नेवेद्याला लाडू पेढे मोदक सुद्धा आहेत ना
फुल पत्री कंठी आणि जास्वंद सुद्धा ठेवलीत ना
नवीन कपडे सोवळ आणि नऊवारी हि नसणार ना
अंबाडा का खोपा घालणार सगळचं तुमचं तयार ना
सगळ काही तुम्हीचं ठरवलत माझ काही ऐकाणार का
कोविड जरी गेला तरी आपल्याला सांभाळायला हवं ना
दोन वर्ष कशी काढली ते तुम्ही आठवा ना
माझी आरती करताच तुम्ही ह्या वेळी जरा बदला ना
कोविद मधे ज्यांचं कुटुंब प्रमुख सोडून गेला ना.त्यांना ह्या वर्षी
तुम्ही मदत जरूर करा ना
मी तर दर वर्षीच येतो,पुढच्या वर्षी सुद्धा येईन ना.
नेहमीच तुम्ही प्रार्थना करता ह्यावर्शी माझी प्रार्थना ऐका ना.
सौ अर्चना कुलकर्णी

2.

साईबाबा की आरती

आशिर्वच जो दिया साईने पावन हो गये
भक्ती कि जो ज्योत जगाई कृतार्थ हो गये
जब जब नाम लिया साई का
मनमे शांती कि ज्योत जगी
दुःख सेहेने कि शक्ती बढि
और आनंद कि किरन फैली
असहायोका सहारा तू
गरिब का रखवाला
दरबार में तेरे हे साई
गरिब अमीर एक समभाव
तू देखता भक्ती तू देखता मनकी पावन ता
जात पात रंग रूप सब तुच्छ हैं तेरे लिये
उसी को अपनाता तू हे साई
जो भुलता मैं और मेरा
अगर दर्शन पाना साई का
भुलना होगा स्वार्थ
निकालो मनसे मैं और मेरा

जगा ओ मनमे सम भाव
फिर देखो जब आँख बंद करो
सामने साई को पाओगे
मनमे शांती जगाओ गेतो
सामने साई को पाओगे
सबको अपनाओगे तो सामने साई को पाओगे